2016

HINDI

(Major)

Paper : 5.3

(Hindi Ka Natak Sahitya)

Full Marks : 60

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए : 1×7=7

(क) नाटक किस प्रकार के काव्य के अंतर्गत आता है?

(ख) 'अजातशत्रु' के नाट्कार कौन हैं? — जयशंकर

(ग) अजातशत्रु के पिताजी कौन थे? —

(घ) नाटक के दो प्रमुख उद्देश्य क्या-क्या हैं?

(ङ) 'आधे-अधूरे' किसका नाटक है? — मोहन राकेश

(च) हरिकृष्ण 'प्रेमी' के नाटकों का मूलाधार क्या है? ऐतिहासिक

(छ) 'सिन्दूर की होली' के नाटककार का नाम लिखिए।

लक्ष्मीनारायण मिश्र

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर लिखिए : 2×4=8

(क) अजातशत्रु अपने पिताजी के दुर्बल चरणों को सिंहासन क्यों समझता है?

(ख) "वाक्-संयम विश्व-मैत्री की पहली सीढ़ी है।" इसका क्या तात्पर्य है?

(ग) मातुल के चरित्र की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

(घ) अम्बिका कालिदास से नाराज क्यों थी?

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×3=15

(क) नाटक में कथावस्तु की क्या भूमिका होती है, स्पष्ट कीजिए।

(ख) वासवी के चरित्र की विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

(ग) "मानव अपनी इच्छा-शक्ति (से) और पौरुष से ही कुछ होता है। जन्मसिद्ध तो कोई भी अधिकार दूसरों के समर्थन का सहारा चाहता है।" इस उक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'अजातशत्रु' के (पहला अंक, पहला दृश्य) मृगशावक एवं 'आषाढ़ का एक दिन' के हरिणशावक के दृश्यों की तुलना कीजिए।

(ङ) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक का मूल कथ्य क्या है?

4. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10

मैंने कहा था कि मैं अथ से आरम्भ करना चाहता हूँ। यह सम्भवतः इच्छा का समय के साथ द्वंद्व था।

अथवा

करुणामूर्ति! हिंसा से रंगी हुई वसुंधरा आपके चरणों के स्पर्श से अवश्य ही स्वच्छ हो जाएगी। उसकी कलंक-कालिमा धुल जाएगी।

5. "नायक को खलनायक तथा खलनायक को नायक बनाने का प्रयास 'अजातशत्रु' तथा 'आषाढ़ का एक दिन' नाटकों में देखा जा सकता है।" इस कथन के आलोक में दोनों नाटकों के नायकों पर विचार कीजिए। 10

अथवा

'अजातशत्रु' नाटक की मल्लिका तथा 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की मल्लिका के चरित्रों की तुलना कीजिए।

6. पठित नाटकों के आधार पर जयशंकर प्रसाद **अथवा** मोहन राकेश की नाट्य-शैली पर विचार कीजिए। 10

★★★